Environment & Ecology
Explanation
31 Oct, 6:30 PM (TEST : 01)

1. (c) उपर्युक्त दिये गये दोनों कथन सत्य है।
2. (b) **कथन 1 असत्य है**- केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भारत सरकार के पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।
   कथन-2 सत्य है इस संस्था द्वारा मुख्य रूप से जल, वायु व ध्वनि प्रदूषकों के लिए मानक तैयार किये जाते है।
3. (d) सल्फर डाई ऑक्साइड (SO_2) एक रंगहीन बदबूदार गैस है इसका मुख्य स्रोत कोयला तापीयसंयत्र ज्वालामुखी उद्भेदन, पेट्रोल व डीजल के दहन तथा कागज उद्योग है। यह वायुमंडल में उपस्थित जलवाष्प से अभिक्रिया करके सल्फ्यूरिक अम्ल (H_2SO_4) बनाता है और अम्लीय वर्षा को बढ़ा देता है।
4. (a) **कथन 1 सत्य है**- मार्बल कैंसर अम्लीय वर्षा से संगमरमर की इमारतों को हुए नुकसान को कहते है।
   कथन 2 असत्य है- वायुमंडल में सल्फरडाई ऑक्साइड, धूलकण और जलवाष्प के साथ मिलकर स्मॉग का निर्माण करता है जो मुख्यत: शीतकाल में देखा जा सकता है।
5. (d) उपर्युक्त दिये गये दोनों कथन सत्य है- नाइट्रोजन डाई ऑक्साइड (NO_2) एक लाल भूरी गैसे होती है इसका मुख्य स्रोत जैविक कचरे को जलाया जाना, पेट्रोल डीजल का प्रयोग होना आदि है। यह गैस हवा में उपस्थित जलवाष्प से क्रिया करके नाइट्रिक एसिड (HNO_3) का निर्माण करती है तथा अम्लीय वर्षा के रूप में मृदा में अम्लीयता की मात्रा को बढ़ा देती है।
6. (c) केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा पहली बार 2009 में रिहायशी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एक समान मानक निर्धारित किए गये थे।
7. (a) **कथन 1 सत्य है**- भारत स्टेज (बी.एस.) मानक यूरोपीय देशों की तर्ज पर सर्वप्रथम भारत में 2000 से लागू किया गया। यह वाहनों में प्रयुक्त होने वाले इंजन के मानक है, जिसे इंजन में लगे फिल्टर के आधार पर वर्गीकृत किया गया है।
   कथन 2 असत्य है- भारत में बी.एस.मानकों की शुरूआत वर्ष 2000 में की गयी। 1 अप्रैल 2017 से बी.एस.- IV मानक भारत में लागू हो चुका है जबकि 1 अप्रैल 2020 से बी.एस.-VI मानक लागू की जायेगी। लेकिन दिल्ली में BS-VI मानक 2018 में लागू हो गयी है।
8. (c) उपर्युक्त दिये गये दोनों कथन सत्य है।
9. (d) केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) ई- वेस्ट, ठोस अपशिष्ट, प्लास्टिक अपशिष्ट तथा खतरनाक रसायन अपशिष्टों के प्रबंधन के लिए नियम जारी करता है।
10. (b) उपर्युक्त दिए गए दोनों कथन सत्य है- पार्टीकुलेट मैटर (PM) के कण इतने छोटे होते है कि मानव के श्वसन तंत्र को काफी नुकसान पहुँचाता है। भारत में 1 अप्रैल 2020 से बी.एस.- VI मानक लागू किया जायेगा।

Env & Eco 31Oct, TEST NO. 01 ANSWER KEY

1.	(c)	2.	(b)	3.	(d)	4.	(a)	5.	(d)	6.	(c)	7.	(a)	8.	(c)	9.	(d)	10.	(b)